हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

9 महिला वर्ग के 48 किलोग्राम में बीए प्रथम वर्ष की ...

10 मांगों को लेकर शहर में निकाला जुलूस

डॉ. मानस रंजन मल्लिक
जनरल सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ
MBBS, MS (General Surgery) Fellowship in Gastro Surgery, FMAS, FAIS
8+ Years Of Experience

सुरक्षित उपचार,स्वस्थ जीवन
डॉ. मानस रंजन मलिक के साथ
लगातार पेट दर्द या सूजन | पित्त की थैली में पथरी | हर्निया की समस्या | हाइड्रोसील | आंतों में ट्यूमर या रुकावट | लिवर में गांठ या अन्य विकार | बार-बार एसिडिटी या अपच | पाइल्स, फिशर या गुदा से रक्तस्राव | ब्रेस्ट या थायरॉइड में असामान्य गांठ | कोलोरेक्टल समस्याएं
यदि आप भी इन समस्याओं से परेशान हैं, तो आज ही हमारे विशेषज्ञ से परामर्श करें
आयुष्मान व हरियाणा सरकार पैनल पर उपलब्ध

एम्बुलेंस/आपातकालीन सहायता के लिए संपर्क करें:
70 09 09 0924
MK Hospital
5th Mile Stone, Bhiwani - Delhi Road, Bhiwani, Haryana
TPA और कैशलेस सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

राधाष्टमी महोत्सव का आज होगा आयोजन

भिवानी। रविवार 31 अगस्त को श्रीराधे वृंदावन धाम परिवार भिवानी द्वारा भव्य राधाष्टमी महोत्सव का आयोजन होगा। श्रीराधे वृंदावन धाम परिवार भिवानी के प्रधान विनोद गोयल ने बताया कि राधाष्टमी महोत्सव का आयोजन स्थानीय दिनोद गेट स्थित श्री खाकी बाबा रामचरित मानस मंदिर में किया जाएगा। मशहूर भजन गायक किशोरी दास कनिष्क और पीयूष कौशिक अपनी मधुर आवाज़ में कीर्तन और भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

श्रममंत्री के आवास पर कल का प्रदर्शन स्थगित

बाढ़ड़ा। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर होने वाले प्रदर्शन में भ्रष्टाचार के नाम पर बंद किए गए बोर्ड को खोले जाने, 90 दिन कि तसदीक यूनियनों को दिए जाने, 26 हजार रुपये मासिक दिहाड़ी आदि को लेकर श्रममंत्री के आवास पर प्रदर्शन का आह्वान किया गया था, लेकिन अंबाला में ज्यादा जलभराव होने की वजह से 31 अगस्त का प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया हैं और यह प्रदर्शन अब 14 सितंबर को किया जाएगा।

हालुवास मोड पर बोलेरो ने बाइक और ई-रिक्शा को मारी टक्कर

बाप व बेटे समेत तीन की मौत, दो घायल गुस्साए ग्रामीणों ने अस्पताल में दिया धरना

- मृतकों की पहचान गांव देवसर निवासी 13 वर्षीय लवप्रीत, उसके पिता 40 वर्षीय विनोद तथा गांव देवसर के ही रमेश के रूप में हुई
- हादसे के समय पिता और पुत्र बाइक पर भिवानी से अपने गांव देवसर लौट रहे थे , वहीं रमेश, राकेश व कृष्ण ई रिक्शा में गांव से भिवानी की तरफ जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। अस्पताल परिसर में धरने पर बैठे ग्रामीण और धरने पर बैठे लोगों को संबोधित करते हुए।

बीती रात लोहारू रोड स्थित हालुवास मोड़ पर महिंद्र बोलेरो, मोटरसाइकिल व ई-रिक्शा का एक्सीडेंट हो गया। इस हादसे में पिता-पुत्र सहित गांव देवसर के ही 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात को हुआ जब वे भिवानी से घर लौट रहे थे।

इस हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है। मृतकों की पहचान गांव देवसर निवासी करीब 13 वर्षीय लवप्रीत, उसके पिता करीब 40 वर्षीय विनोद तथा गांव देवसर निवासी रमेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गांव देवसर निवासी विनोद अपने बेटे लवप्रीत के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर भिवानी से अपने गांव देवसर जा रहे थे। वहीं गांव देवसर निवासी रमेश तथा राकेश व कृष्ण ई-रिक्शा में बैठकर भिवानी की तरफ से जा रहे थे। जब वे लोहारू रोड स्थित हालुवास मोड़ पर पहुंचे तो पीछे से आ रही बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में बोलेरो, मोटरसाइकिल व ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं मोटरसाइकिल सवाल विनोद, लवप्रीत, ई-रिक्शा सवार रमेश, राकेश व कृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों बाप-बेटे को मृत घोषित कर दिया। इधर, ई-रिक्शा सवार तीनों रमेश, राकेश व कृष्ण का उपचार आरंभ कर दिया। वहीं उपचार के दौरान रमेश की भी मौत हो गई। फिलहाल दोनों का उपचार चल रहा है। वहीं परिजनों ने डॉक्टरों पर भी लापरवाही के आरोप लगाए है परिजनों ने कहा कि घायल व्यक्ति रात भर दर्द से चिल्लाता रहा लेकिन डॉक्टरों ने उसका उपचार नहीं किया। जिसके कारण ई रिक्शा में सवार व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं गुस्सा आए ग्रामीणों ने भिवानी के सामान्य अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है

डॉक्टरी की लापरवाही पर सिविल सर्जन डॉक्टर रघुवीर सिंह शांडिल्य ने बताया कि डॉक्टर के खिलाफ बोर्ड का गठन कर दिया है। लापरवाही सामने आए जाने पर डॉक्टरों पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल चिकित्सकों के बोर्ड की जो रिपोर्ट आएगी। उसके बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड का गठन किया

डीएसपी अनूप कुमार ने बताया कि रात को एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए भिवानी के सामान्य नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है और इस में बाइक सवार पिता पुत्र की मौत मौके पर ही हो गई थी और ई रिक्शा में सवार व्यक्ति की मौत सुबह हुई है और डॉक्टरों के खिलाफ भी बोर्ड का गठन किया गया कमी पाई जाने पर करवाई कि जाएगी।

डॉक्टर ने उपचार नहीं किया जिसके कारण मौत हुई : सरपंच

देवसर के सरपंच संजय ने बताया कि गांव के ही पांच लोगों का रात को एक्सीडेंट हो गया। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और दो की अभी भी हालत गंभीर बनी हुई है। इसका पता लगने ही वे खुद मौके पर अस्पताल में पहुंचे। और उन्होंने कहा कि हादसा गाड़ी चालक की लापरवाही के कारण हुआ है उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार गाड़ी चालक ने ई रिक्शा और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है मोटरसाइकिल पर सवार पिता पुत्र की मौके पर मौत हो गई जबकि ई रिक्शा में सवार व्यक्ति रात भर दर्द से चलता रहा और डॉक्टर ने उपचार नहीं किया जिसके कारण व्यक्ति की मौत हो गई है।

भिवानी। जिलास्तरीय खो-खो में स्कूल की दो टीमें उपविजेता रहने पर काकड़ोली हुक्मी स्कूल में सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

काकड़ोली हुकमी स्कूल की छात्राओं का रहा शानदार प्रदर्शन, खो-खो में स्कूल की दो टीमें रही उपविजेता

बाढ़ड़ा। झोझू खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में राजकीय वमा विद्यालय काकड़ौली हुकमी की छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विद्यालय की अंडर-11 व अंडर-19 बालिका वर्ग की खो-खो टीमों ने उम्दा खेल दिखाते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में जिले के सभी खंड की विजेता टीमें शामिल हुईं, जिनमें से काकड़ौली हुकमी की बेटियों ने शानदार संघर्ष किया और मजबूत टीम भावना का परिचय दिया। उनकी मेहनत और लगन के कारण ही दोनों टीमों ने फाइनल तक पहुंचकर उपविजेता का दर्जा पाया। प्रतियोगिता के लिए डीपीई सुरेश कुमारी और गजानंद ने मेहनत कर तैयार किया। विद्यालय के प्राचार्य विजयपाल ने छात्राओं को उनकी सफलता पर बधाई दी और कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

भिवानी। बुजुर्ग खिलाड़ी रामकिशन शर्मा को सम्मानित करते संयुक्त किसान मोर्चा के किसान।। फोटो : हरिभूमि

बुजुर्ग खिलाड़ी रामकिशन शर्मा को संयुक्त किसान मोर्चा ने किया सम्मानित, जीत चुके हैं 280 मेडल

बाढ़ड़ा। भांडवा निवासी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रामकिशन शर्मा को किसानों ने विशेष सम्मान प्रदान किया। रामकिशन शर्मा खेल और सामाजिक क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और अपने योगदान से गांव सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर चुके हैं। किसान नेता प्रताप सिंह हंसावास, श्योराण खाप 25 के प्रधान बिजेंद्र बेरला, मास्टर रघवीर श्योराण काकड़ोली,राजकुमार हडौदी, भुपसिंह दलाल आदि ने बताया कि रामकिशन शर्मा न केवल खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं, बल्कि समाज सेवा में भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उनके योगदान को देखते हुए संयुक्त किसानों मोर्चा के किसानों द्वारा उन्हें फूल माला व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया । खिलाड़ी रामकिशन शर्मा ने खेल क्षेत्र में नौ वर्षों से सक्रिय रहते हुए अब तक 280 मेडल जीते हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छह गोल्ड मेडल, राष्ट्रीय स्तर पर 154 गोल्ड और 27 सिल्वर पदक शामिल हैं।

बैठक

सांसद चौ. धर्मबीर ने बैठक को किया संबोधित

आम आदमी का जीवन स्तर सुधारने के लिए सरकार ने अनेक योजनाएं क्रियान्वित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ढिगावा में शनिवार को भाजपा की ढिगावा मंडल की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौ. धर्मबीर सिंह और भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता ढिगावा मंडल अध्यक्ष मुरारी लाल शर्मा ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम आदमी का जीवन स्तर सुधारना है, जिसके लिए अनेक योजनाएं जैसे आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, और किसान सम्मान निधि चलाई जा रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें और सुनिश्चित करें कि पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भी हरियाणा प्रदेश व प्रदेशवासियों के उत्थान के लिए दिन-रात मजबूती से कार्य कर रही है। पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, स्वास्थ्य जांच शिविर और जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों में भागीदारी निभाएं। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संदीप श्योराण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के महत्व और लाभ पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रदीप प्रजापति, सुनील शर्मा, नरेश कुडल, अजय श्योरान, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, जिला महामंत्री रेखा राघव, सुरेश कुमार, विरेंद्र सिंह, राकेश सरपंच, धर्मबीर नेहरा सरपंच, रोशन लाल, वीरेंद्र लांबा आदि मौजूद रहे।

पार्टी का लक्ष्य हर बूथ को मजबूत करना

भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने संगठन विस्तार और बूथ स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य हर बूथ को मजबूत करना है, क्योंकि बूथ ही चुनाव जीतने की नींव होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ समितियों को सक्रिय करने और बूथ स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढकर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए हर कार्यकर्ता का योगदान महत्वपूर्ण है।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

खबर संक्षेप

एचसीएस महावीर प्रसाद आईएएस पदोन्नत हुए

चरखी दादरी। मूल रूप से दादरी निवासी एचसीएस महावीर प्रसाद की आईएएस पद पर पदोन्नति होने पर यादव सभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं केंद्र सरकार का आभार जताया। उनकी पदोन्नति आईएएस के पद पर होने से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। सभा के प्रधान नरेश यादव ने कहा कि पदोन्नति महावीर प्रसाद की मेहनत का फल है, इससे क्षेत्र में विकास की गति बढ़ेगी और आमजन को फायदा पहुंचेगा।

विद्यार्थियों ने लोगों को किया जागरूक

भिवानी। गांव झींझर के राजकीय वमा विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग हरियाणा सरकार द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मुहिम पर रैली का आयोजन किया, जिसमे गांव झींझर के वरिष्ठ सरकारी स्कूल के सभी बच्चों ने भागीदारी निभाई और गांव में रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

चौ बंसीलाल कॉलेज में खेल उत्सव की शुरुआत

लोहारू। चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में तीन दिवसीय खेल उत्सव की शुरुआत उच्चतर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। इस दौरान कॉलेज के युवाओं को खेलों के महत्व और फिट इंडिया अभियान से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी। युवाओं को खेलों में अधिक से अधिक हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ सुजीत कुमार ने बताया कि महाविद्यालय को राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह से सीधे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा गया।

विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

भिवानी। आर्यवीर दल भिवानी और सर्वहित साधना न्यास के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोरड़ा में एक दिवसीय प्रेरणा सभा का आयोजन किया। इस सभा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को परिश्रम, पुरुषार्थ और लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता स्वामी सच्चिदानंद ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के अनुरूप श्रम करता है और अपनी शक्तियों का सही उपयोग करता है, वह जीवन में अवश्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि सक्रियता ही जीवन है और निष्क्रियता ही मृत्यु है। स्वामी ने युवाओं को आलस्य से दूर रहने की सलाह दी और कहा कि जो युवा श्रम से जी चुराते हैं, उन्हें जीवित नहीं कहा जा सकता।

सीमा बंसल ने लोगों से साधा संवाद

भिवानी। भिवानी को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शुमार करने के उद्देश्य से एक बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। भिवानी के उपायुक्त साहिल गुप्ता के निर्देश पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत एक विशेष स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसका मकसद लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस पहल से जोड़ना है। इस महत्वपूर्ण पहल को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी साथी हाथ बढ़ाना समिति रजि. की अध्यक्षा व कष्ट निवारण समिति की सदस्या सीमा बंसल को सौंपी गई है। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सीमा बंसल ने शनिवार को वार्ड नंबर-14 सहित शहर के कई इलाकों का दौरा किया। उन्होंने वहां के निवासियों से सीधे संवाद किया और उन्हें अपने आस-पास के माहौल को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

लोहारू के सिंघानी गांव पहुंची भाईचारा यात्रा

लोहारू। 24 अगस्त को दीनबंधु छोटूराम धाम से शुरू हुई भाईचारा यात्रा उपमंडल के गांव सिंघानी पहुंची तथा सिंघानी में सरपंच संजीत कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा में पहुंचे अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप दहिया, प्रदेश अध्यक्ष गंगाराम, हलका अध्यक्ष ईश्वर सिंह सहित अनेक का स्वागत किया गया।

वैश्य महाविद्यालय में फ्रेंडली बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन

खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं :डॉ. नरेंद्र सिंह

महिला वर्ग के 48 किलोग्राम में बीए प्रथम वर्ष की चेतना और ज्योति ने मारी बजी

प्राचार्य डॉ. संजय गोयल एवं स्पोर्ट्स बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र दलाल की देखरेख में हुई स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। मुक्केबाजों का परिचय करवाते प्राचार्य संजय गोयल व अन्य।

उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में 29 से 31 अगस्त तक मनाए जा रहे खेल महोत्सव के अंतर्गत वैश्य महाविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड द्वारा फ्रेंडली बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय गोयल के नेतृत्व एवं स्पोर्ट्स बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र दलाल एवं सचिव भूपेंद्र सिंह की देखरेख में आयोजित किया।

प्रतियोगिता के शुभारंभ पर प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि वैश्य महाविद्यालय शिक्षा के साथ साथ खेलों के क्षेत्र में भी नित नए कीर्तिमान स्थापित कर देश में अपनी अलग पहचान बना रहा है, यहां के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के दम पर विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं भिवानी क्षेत्र का नाम देश विदेश में रोशन कर रहे हैं। डीन एकेडमिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने कहा कि कॉलेज के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, सही प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के बलबूते ये खेलों के क्षेत्र में अग्रणी है। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 50 किलोग्राम भारवर्ग में बीए प्रथम वर्ष के हर्षवर्धन एवं बीए तृतीय वर्ष के आशु, 60 किग्रा में बीए प्रथम वर्ष के संदीप एवं मनीष, 70 किग्रा में बीए तृतीय वर्ष के हर्ष एवं बीए द्वितीय वर्ष के यश व 75 किग्रा में बीए द्वितीय वर्ष के यश एवं बीए प्रथम वर्ष के रोहित एवं महिला वर्ग में 48 किग्रा में बीए प्रथम वर्ष की चेतना एवं ज्योति, 54 किग्रा में एमए प्रथम वर्ष की भारती एवं बीए तृतीय वर्ष की कविता एवं 57 किग्रा में बीए तृतीय वर्ष की कविता एवं बीए प्रथम वर्ष की वंशिका केके बीच मुकाबला हुआ।

ये रहा परिणाम

प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 50 किलोग्राम भारवर्ग में बीए तृतीय वर्ष के आशु, 60 किग्रा में बीए प्रथम वर्ष के संदीप, 70 किग्रा में बीए द्वितीय वर्ष के यश व 75 किग्रा में बीए प्रथम वर्ष के रोहित ने मुकाबला जीता। 48 किग्रा में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा चेतना, 54 किग्रा में एमए प्रथम वर्ष की भारती एवं 57 किलो भार वर्ग में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कविता ने मुकाबला जीता। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने सम्मानित किया।

दौड़ स्पर्धा में सक्षम कलाम सदन प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

प्रतियोगिता

- छठी से आठवीं लड़कियों की दौड़ में दिव्या बोस सदन प्रथम

मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय खरक खुर्द में मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में खेल दिवस का आयोजन किया, जिसकी शुरुआत स्कूल प्रबंधन सदस्य समिति व प्राचार्य ने मां सरस्वती के सामने द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। कक्षा तीसरी से बारहवीं के बच्चों ने अपने सदन अनुसार भाग लिया। कक्षा तीसरी से पांचवी में दौड़ प्रतियोगिता में सक्षम कलाम सदन प्रथम, तानिष बोस सदन द्वितीय व कृष कलाम सदन ने तृतीय स्थान पाया। कक्षा तीसरी से पांचवी लड़कियों की दौड़ प्रतियोगिता में प्रियंका बोस सदन प्रथम, निशिता रमन सदन द्वितीय व श्रुति कलाम सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा छठी से आठवीं लड़कियों की दौड़ प्रतियोगिता में दिव्या बोस सदन प्रथम, महक कलाम सदन द्वितीय व सिया रमन सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छठी से आठवीं फुटबाल मैच में बोस सदन प्रथम, रमन सदन द्वितीय व आर्यभट्ट सदन ने तृतीय स्थान पाया। कक्षा नौवीं से बारहवीं में वालीबॉल प्रतियोगिता में कलाम सदन प्रथम ,रमन सदन द्वितीय व आर्यभट्ट सदन तृतीय स्थान पर रहा। प्रधानाचार्य प्रतीक जांगड़ा ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है जिससे प्रतिभागी को भाग लेने से नहीं घबराना चाहिए। स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य परमिंदर मदेरणा ने कहा कि खिलाड़ी के लिए कोई भी खेल हो चाहे अवश्य भाग लेना चाहिए खेल में हार-जीत ज्यादा महत्व नहीं रखती।

खेल स्पर्धा में छाई डीआरके की छात्राएं

भिवानी। जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं।

भिवानी। झोझूकलां में जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें बाढ़ड़ा-दादरी व बौंद कलां के विद्यार्थियों ने अनेक खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। दादरी ब्लॉक से डीआरके आदर्श विद्या मंदिर की जानवी, मानवी व दक्षिता ने टग ऑफ वार में तथा रिया व जानवी ने कबड्डी में अंडर-11 में स्वर्ण पदक जीत कर विद्यालय के गौरव को बढ़ाया व राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। छात्राओं की शानदार सफलता पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। प्राचार्य अवनीन्द्र सती, खेल प्रशिक्षक संदीप, निर्मल व अन्य शिक्षक वृन्द ने विजेता छात्राओं को स्वर्ण मेडल पहनाकर सम्मानित किया। दादरी शिक्षण समिति की अध्यक्षा डा. विद्या गुप्ता ने विजेता छात्राओं को बधाई दी तथा आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी विद्यालय के नाम को रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थियों ने खेलों में दिखाई प्रतिभा

- खेल उत्सव के दूसरे दिन स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। रस्सा कस्सी स्पर्धा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

राष्ट्रीय खेल दिवस पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय खेल उत्सव दूसरे दिन भी जारी रहा। दूसरे दिन का खेल उत्सव गांव ढाना क्रिकेट मैदान व विवेकानंद हाई स्कूल के इंडोर ग्राउंड से आरंभ किया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। निदेशक सावित्री यादव और राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता संयोजक अशोक कुमार भारद्वाज ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर दूसरे दिन का खेल उत्सव शुरू किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों का होना बेहद आवश्यक है। खेल विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं और अनुशासन, टीम भावना व आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिताएं विवेकानंद हाई स्कूल भिवानी, ढाना क्रिकेट मैदान, अजीतपुर फुटबॉल मैदान सहित कई स्थानों पर होगी। खेल प्रतियोगिताओं को तीन चरणों में बांटा गया है, जिसमें प्राइमरी, जूनियर और सीनियर वर्ग के विद्यार्थी भाग लिया। पहले व दूसरे दिन जूनियर क्रिकेट, खो-खो, रस्साकशी, लेमन रेस, रस्सी कूद, मटका दौड़ , लॉन्ग जम्प सहित अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं और राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद की स्मृति में आयोजित खेल उत्सव उनके लिए प्रेरणास्रोत है।

ये रहे उपस्थित

विद्यालय प्राचार्या समी यादव, सरला अग्रवाल, सुमित मलिक,उर्मिला सैनी ,मास्टर दयानंद, सतीश यादव, अमित, अमन, मास्टर कपिल, पूनम रानी, बबीता देवी ,कविता रानी, अनिता सैनी आदि उपस्थित रहे।

भारत स्कूल की हिमांशी का राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में चयन

भिवानी। विवेक नगर स्थित भारत वमा विद्यालय के विद्यार्थियों ने झोझूकलां में आयोजित जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। प्राचार्य राजकुमार ने बताया कि हाई जम्प में हिमांशी अंडर-11 में प्रथम, जतिन ने द्वितीय और मयंक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं अंडर-17 में तीन हजार मीटर रेस में चिरायू व पंक्ति ने क्रमशः तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया है। हर्षिता व उदय ने हाई जंप अंडर-17 में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया है। अंडर-17 बाधा रेस में गोविन्द और पंक्ति ने तीसरा और चौथा स्थान प्राप्त किया। जतिन और हिमांशी का राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। प्राचार्य ने कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य बड़ा होना चाहिए। विद्यार्थियों के राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के चयन होने पर प्राचार्य ने डीपीई कमलेश देवी को भी विशेष तौर पर शुभकामनाएं दी।

तिगड़ाना स्कूल में आयुष विभाग ने करवाई खो-खो प्रतियोगिता

भिवानी। गांव तिगड़ाना में राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आयुष विभाग की ओर से जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा, जिला योग कॉर्डिनेटर डॉ. संजय वैद, योग स्पेशलिस्ट डॉ. निशा के दिशा निर्देशों में आयुष योग सहायक कविता द्वारा विद्यालय स्टाफ के साथ मिलकर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खो-खो कबड्डी व योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें बच्चों की कबड्डी, खो खो व योगासन की खेल क्रीड़ाएं करवाई गई। जिसमें मुख्यतिथि रिटायर्ड लेक्चरर रमेश शर्मा, मिडिल हेड दिनेश बाला, सत्यनारायण, पीटीआई पुष्पा, दर्शना देवी, रीना वर्मा, सुषमा व पूजा मौजूद रहे।

लोगों में देवीलाल जंयती को लेकर उत्साह रोहतक रैली सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी : अभय

- भाजपा की बी-टीम के रूप में काम कर रही कांग्रेस, ये सभी लोग जान चुके: चौटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला।

इनेलो ने अपनी राजनीतिक गतिविधियों को तेज करते हुए शनिवार को कस्बा बवानीखेड़ा की बाबा कमाल धर्मशाला में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए और बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

सम्मेलन की अध्यक्षता इनेलो बवानीखेड़ा हल्का प्रधान कृष्ण मिताथल ने की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आगामी 25 सितंबर को पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती पर रोहतक अनाजमंडी में होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट करना और उन्हें न्योता देना था।

जेजेपी ने लोगों से विश्वासघात किया

चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। चौटाला ने आरोप लगाया कि सरकार आमजन की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी मुश्किलें बढ़ा रही है, जिससे जनता में भारी आक्रोश है। चौटाला ने कहा कि अब लोग के सामने कांग्रेस का असली चेहरा आ चुका है कि कौन भाजपा की बी टीम के रूप में काम करता है। वहीं जेजेपी ने भी लोगों से जो विश्वासघात किया, उसके भी सबूत सामने आ चुके हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव सुनील लांबा, जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु, अशोक मैनेजर, सूरजभान एसडीओ, संजय नंबरदार, संजय पार्षद, निशांत ढ़ांडा, इंदु परमार, प्रवीण जांगड़ा, अंकित मिताथल, राहुल धनाना, संदीप घणघस, जगदीश कुंगड़, भूपेंद्र कोच आदि मौजूद रहे।

3 सितंबर को पंचकूला में किया जाएगा प्रदर्शन

लोहारू। हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की लोहारू ब्रांच की आवश्यक बैठक लोहारू में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्रांच के प्रधान और हरियाणा स्टेट के उप महासचिव दलबीर श्योराण ने की। बैठक में यह फैसला लिया गया कि कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं पर पिछले 10 साल से ध्यान नहीं दिया गया है। इसी के विरोध में, विभाग के दैनिक वेतन भोगी और संविदा कर्मचारियों के साथ मिलकर एक बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। कोषाध्यक्ष उपेंद्र और सचिव आजाद मलोदिया सहित सोमवीर, रामबिलास, बलवान, सोहासडा, जगमाल, जयवीर, सतवीर, रघुवीर, वीरभान सहित कई कर्मचारियों की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में सर्व सम्मति से 3 सितंबर को पंचकूला में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पब्लिक हेल्थ) के प्रमुख अभियंता के कार्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया गया।

नेशनल खेल दिवस मनाया

विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

चरखी दादरी। शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकेडमी में मेजर ध्यानचंद की याद में नेशनल खेल दिवस मनाया। अकेडमी में खेलों को सीख रहे खिलाड़ियों के छोटे-छोटे इवेंट करवाए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न, मेडल तथा सर्टिफिकेट देकर अधिकारियों के हाथों सम्मानित करवाया। पूर्व गौरव सैनिक सोसायटी चरखी दादरी अध्यक्ष सोमवीर शर्मा, रतन सिंह उपाध्यक्ष, राजेश फौगाट ऑन रेडी कप्तान एक्स इंडियन आर्मी सूरजमल, हजारीलाल, वेदप्रकाश, हरियाणा केसरी लोक गायक राजेश थूरानिया और तनु आर्य आदि ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। कोच राजेश तक्षक ने मेजर ध्यानचंद की जीवन की व्याख्या खिलाड़ियों की सामने की। बच्चें मेजर ध्यानचंद की भांति खेल के प्रति समर्पित रहे, बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नियमित अंतराल पर कार्यक्रमों के जरिए बच्चों को खेल व संस्कृति के प्रति भी जागरूक करना लक्ष्य है। महिला कोच सुदेश तक्षक ने लड़कियों को मोटिवेशनल स्पीच दी।

बैठक में समस्याओं को लेकर विचार विमर्श

भिवानी। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कार्यालय मे जिला प्रधान भूपेन्द्र चाहर की अध्यक्षता मे जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसका संचालन जिला महासचिव सुमित शर्मा ने किया। बैठक मे शिक्षको व विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं व उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। जिला संगठन सचिव कृष्ण मलिक व राज्य सहसचिव शोभित सांगवान ने कहा कि राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला भिवानी शिक्षक व छात्र हितो की आवाज बुलंद करने के साथ-साथ इंसानियत का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए शिक्षक दिवस पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करता रहा है। बैठक मे निर्णय लिया गया कि संघ शिक्षक दिवस 5 सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन व पौधारोपण कर शिक्षक दिवस मनायेगा। इस अवसर पर भिवानी कोषाध्यक्ष ढोचक, संजय रोहिल्ला आदि मौजूद रहे।

जलभराव जल्द ही पानी की समस्या से शहरवासियों को छुटकारा मिलेगा

अधिकारियों ने मौका देखकर पानी निकासी की रूपरेखा बनाई

नगरपालिका प्रधान ने अफसरों सहित किया मौके का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। शहर में जल भराव की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे नपा प्रधान सुंदर अत्री के साथ में जन स्वस्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंत जयसिंह, कनिष्ट अभियंता सुनील जांगड़ा, सचिन कौशिक व अन्य।

शहर बवानी खेड़ा में जल भराव की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे नगर पालिका प्रधान सुंदर अत्री के साथ में जन स्वस्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंत जयसिंह, कनिष्ट अभियंता सुनील जांगड़ा, सचिन कौशिक आदि द्वारा दादी गोरी मंदिर, भगवान वाल्मीकि मंदिर, वार्ड नं 1,वार्ड नं 2, बाबा सोमारपुरी डेरा हांसी चुंगी रोड, दाता राम कॉलोनी, जमालपुर रोड आदि जगह पर पहुंचे और पानी निकासी की रूपरेखा बनाई। नगर पालिका प्रधान सुंदर अत्री ने अधिकारियों संग मौके पर पहुंच कर आम आदमी की समस्या का समाधान करने के लिए तुरंत कार्यवाही की मांग की। नगर पालिका प्रधान सुंदर अत्री ने कहा कि हम आम जनता की समस्या को समझते हैं और सारी समस्याओं से अवगत है। अधिकारियों ने मौका देखकर पानी निकासी की रूपरेखा बनाई है ।

नगर पालिका प्रशासन ने वार्ड 5 में लगवाया पंप

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री, नपा सचिव संदीप गर्ग द्वारा वार्ड 5 में गंदे पानी की निकासी के लिए पंप लगवाकर पानी निकलवाने का कार्य किया। नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि वे शहर के चप्पे चप्पे की समस्या से वाकिफ है। अधिक जरूरतमंद स्थानों पर पंप लगाए गए हैं और पानी निकासी का कार्य किया जा रहा है। जल्द ही नपा कार्यालय एवं वीके फोटोस्टेट, टैक्सी स्टैंड के पीछे भी पंप लगाकर गंदे पानी की निकासी व बरसाती पानी की निकासी का समाधान किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि जल्द ही पानी की समस्या से शहरवासियों को छुटकारा मिलेगा।

खेतों में भर गया था पानी

किसान सभा फसल नुकसान का मुआयना करने पहुंची

बवानीखेड़ा। किसान सभा बवानी खेड़ा के प्रधान राजेश कुंगड के नेतृत्व में सिपर, बोहल, रोहनात आदि गांव में किसानों से मिले और मोके पर माजूद किसानों ने बताया कि 24 अगस्त को समुन्द्र ब्रांच के ओवरफ्लो होने से खानक माईनर सीपर क्षेत्र में मोगा नम्बर 4600 लैफ्ट के पास टूट गई। प्रशासन की कोशिश के बाबूजद चार दिन बाद 28 अगस्त को बन्द हो पाई परन्तु आज तक खेतों में तीन-चार फूट तक पानी खेड़ा है। खरीफ के फसल में बाजरा, ज्वार, कपास, मूंग, ग्वार, ईख, धान इत्यादि फसल शत प्रतिशत खराब हो गई जो कि पकाई की अवस्था में आ चुकी थी जिससे किसानों की फसल पर पूरी लागत लग चुकी थी। आज की स्थित यहाँ तक आ चुकी है कि पशुओं के चारा की भी बड़ी किल्लत है। सुरेन्द्र फोगाट व मंगल सिंह सुरा ने बताया कि सबसे ज्यादा नुकशान सिपर गांव में हुआ। टीम के सदस्यों में तहसील सचिव रामोतार भाकर, वेद प्रकाश खेड़ी, अनुप शर्मा बलियाली इस मुआयने पर पहुंचे कि आगामी रबी फसल की बिजाई भी असम्भव है।

सूचना

मैं, दीवान चंद पुत्र श्री भाना राम निवासी छप्पार तहसील व जिला चरखी दादरी बयान करता हूं कि मैंने फरवरी 2016 में मेरे पुत्र महेश को बेदखल कर दिया था। लेकिन अब मेरा पुत्र महेश मेरे कहे अनुसार रहता है और मेरी सेवा टहल भी करता है। यह है कि अब मैं मेरे पुत्र महेश की बेदखली रद्द करता हूं व अब मेरे पुत्र का मेरी जमीन व जायदाद में पूरा हक है।

खबर संक्षेप

डॉ. विजय सर्वसम्मति से बने नीमा के प्रधान

चरखी दादरी। जिला स्तर पर कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्सकों के संगठन नीमा की आम सभा एवं वार्षिक बैठक हुई, जिसमें आगामी वर्ष के लिए पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. विजय शर्मा को प्रधान, डॉ. संजय फौगाट को उपप्रधान, डॉ. कृष्ण वर्मा को सचिव, डॉ. सुरेंद्र डाला को सहसचिव, डॉ. विजय वशिष्ठ को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कचरा उठान के साथ साथ बदल रहे स्लैब

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के आदेशानुसार भिवानी शहर को गंदगी से मुक्त और सुंदर बनाने के लिए शहर स्वच्छता अभियान 2025 पुर जोरों पर चल रहा है। कूड़े कचरे के उठान के साथ साथ बेसहारा गायों और नंदियों को पकड़कर उनको नंदीशाला और गौशाला में भेजा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर बरसाती पानी निकासी के खुले नालों पर बने जर्जर स्लैब को बदला जा रहा है।

आठ ने एमरजेंसी में किया रक्तदान

भिवानी। भिवानी के दो निजी अस्पतालों में दाखिल महिला को प्रसव के दौरान होल ब्लड व एक अन्य बीमारी से ग्रस्त मरीज के लिए ब्लड की जरूरत हुई। सूचना शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने एडवोकेट मुकेश गुलिया को दी। सूचना पर भिवानी बार एसो. के पूर्व सचिव संजय तंवर ने पांचवी बार, रमेश सांगवान व सुरजीत सिंह ने तीसरी बार व अमित, बादल ,सन्नी, आयुष, संदीप शर्मा ने रक्तदान कर मरीज की जान बचाई। मौके पर लेब टेक्नीशियन सतीश व अमरजीत, केशव, योगेश जांगड़ा ने आभार जताया।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आई खाप

भिवानी। देश के कई हिस्सों में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए घणघस खाप ने एक सराहनीय पहल की है। खाप ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, कपड़े, दवाइयां और अन्य राहत सामग्री पहुंचाने का फैसला किया है, ताकि मुश्किल की इस घड़ी में लोगों को कुछ सहारा मिल सके। घणघस खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम कुमार व राष्ट्रीय प्रवक्ता नफे सिंह ने बताया कि खाप के सभी सदस्य इस राहत कार्य में बढ़-चढक़र हिस्सा लेंगे।

अलग राज्य वेतन आयोग का गठन हो

चरखी दादरी। हरियाणा पब्लिक हेल्थ क्लेरिकल एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष कपिल रावलधी ने कहा कि प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह हरियाणा के कर्मचारियों के हित में अलग राज्य वेतन आयोग का गठन करे। सूबे की परिस्थितियाँ केंद्र से भिन्न है, यहां महंगाई का स्तर, जीवन यापन की लागत और सेवा शर्तें अलग हैं। केंद्र के वेतन आयोग की सिफारिशें अक्सर प्रदेश की जमीनी वास्तविकताओं से मेल नहीं खाती, इसलिए सरकार अपने कर्मियों की मांगों पर ध्यान दे।

अभिनय के क्षेत्र में जादू बिखर रहे जिले के युवा

भिवानी। भिवानी के युवा अभिनय के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। सोमिका फिल्म्स द्वारा निर्मित हरियाणवी फिल्म बिजली की शूटिंग हाल ही में संपन्न हुई है, जिसने रिलीज से पहले ही चर्चा बटोरी है। फिल्म में भिवानी के पवन कौशिक खलनायक की भूमिका में है। यह फिल्म राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्रों में जगह बना चुकी है।

साइंस सेमिनार में शिवम स्कूल लोहानी प्रथम

भिवानी। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिवानी में जिला स्तरीय साइंस सेमिनार व विज्ञान प्रश्नोत्तरी हुई। प्रतियोगिता का विषय क्वांटम युग की शुरुआत रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी डॉ निर्मल दहिया ने किया। शिक्षा अधिकारी ने बताया कि भिवानी से लगभग 40 सरकारी व प्राइवेट स्कूलों ने भाग लिया।

बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसो. का जिला स्तरीय सम्मेलन

मांगों को लेकर शहर में निकाला जुलूस, विधायक को सौंपा ज्ञापन

प्रदेश सरकार कर्मचारी विरोधी नीति अपनाकर लगातार कर्मचारियों का शोषण कर रही।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की एक जिला स्तरीय कन्वेन्शन राजपूत धर्मशाला में आयोजित हुई। जिला स्तरीय कन्वेन्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान रविन्द्र धोनी ने की व संचालन नरेश श्योराण ने किया। बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर एसोसिएशन की राज्य प्रधान शर्मीला व सुपरवाइजर संघ के राज्य प्रधान राममेहर वर्मा उपस्थित रहे। जिला कनवेंशन को सम्बोधित करते हुए शर्मिला देवी न बताया कि बहुउद्देश्यीय वर्ग की बहुत सारी जायज मांगे कई सालों से लंबित है जिसके लिये एसोसिएशन लगातार बातचीत के माध्यम से प्रयासरत है लेकिन अब कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब दे रहा है अब आन्दोलन के सिवाय कोई विकल्प नही बचा है फिर भी एसोसिएशन जिला कनवेंशनो के माध्यम से प्रदेश भर के विधायकों के माध्यम से सरकार को अपनी मांगों के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपेगी अगर फिर भी सरकार नहीं जागती तो एसोसिएशन प्रदेश स्तरीय व्यापक आंदोलन करेगी।

भिवानी। मांगों को लेकर शहर में जुलूस निकालते हुए। फोटो: हरिभूमि

मांगों के समाधान की अपील करेगी

उन्होंने कहा कि बहुउद्देश्यीय वर्ग जिला कनवेंशनो को माध्यम से विधायकों के माफर्त ज्ञापन भेजकर अपनी मांगों के समाधान की अपील करेगी यदि सरकार आंदोलन को मजबूर करेगी तो स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ अपनी सक्रिय भागीदारी देकर आंदोलन को निर्णायक बनाने में अपनी भूमिका अदा करेगा। आज की जिला कन्वेन्शन में महासचिव सहदेव आर्य सांगवान,उप प्रधान सुरेश कटारिया,उप प्रधान सुदेश रानी ,राज्य कमेटी सदस्य बबिता,पूर्व महासचिव हरिनिवास, चंचल, सहित भिवानी जिले के सैंकड़ों बहुउद्देश्यीय वर्ग के कर्मचारियों ने भाग लिया।

बहुउद्देश्यीय वर्ग की मुख्य मांगे

आज की कन्वेन्शन के बाद बहुउद्देश्यीय वर्ग के कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए भिवानी विधायक घनश्याम सराफ को ज्ञापन सौंपा। बहुउद्देश्यीय वर्ग की मुख्य मांगे समाप्त पदों को बहाल करवाना ,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत एमपीएचडब्ल्यू (एफ) का वेतनमान नियमित के बराबर 4200 ग्रेड पे व ड्रेस व स्नअर अलाउंस लगा कराना शामिल हैं।

श्रीमद्भागवत के 5वें दिन श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

भगवान विष्णु ने गयासुर को मोक्ष का दिया वरदान: आचार्य मिश्र

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सिंघानिया धर्मशाला स्थित कनोडिया परिवार द्वारा करवाई जा रही श्रीमद्भागवत कथा में कथावाचक आचार्य रमेश मिश्र ने बताया कि पितृ पक्ष के दौरान हम अपने पूर्वजों को श्रद्धा प्रकट करने के लिए उनका श्राद्ध और तर्पण करते हैं। इस दौरान कई लोग हरिद्वार, बनारस, ऋषिकेष जैसे तीर्थ स्थलों पर भी पिंडदान करते हैं, लेकिन सभी धार्मिक स्थलों में से एक गया को पिंडदान करने के लिए सबसे उचित स्थान माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार गया में पिंडदान और पितरों का तर्पण करने से उनकी आत्मा को सीधे स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

भिवानी। कथाव्यास आचार्य रमेश मिश्र।

इधर

लीलाओं का वर्णन किया

भक्तों के मन को प्रसन्न करने के लिए बाल लीलाएं की, माखन खाया, गोपियों से लीलाएं करना, मटकी फोडना, यशोदा मैया की रस्सी से बंधना, ग्वालों के साथ गइया चराना आदि लीलाओं का वर्णन किया। इस अवसर पर सूरज प्रसाद शर्मा, चतुर्भुज शर्मा, विजय शर्मा रायगढ़। संतलाल शर्मा, महेंद्र कौशिक विजेंदर कौशिक, मोहित शांडिल्य, कुलदीप विकाश, राकेश असीजा आदि मौजूद रहे।

आह्वान

केएम. पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

भिवानी। के एम .पब्लिक स्कूल में कक्षा नौवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एवं प्रवक्ता विष्णु सिंह नोडल अधिकारी साइबर क्राइम ब्रांच, पुलिस थाना भिवानी, कांस्टेबल हरीश, स्वयंसेवक आर्यन, गोपाल एवं आशीष चौहान ने शिरकत की । प्रवक्ता विष्णु सिंह ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित जरूरी जानकारी देकर उनका मार्गदर्शन किया तथा साइबर क्राइम से बचने के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया । उन्होंने क्रेडिट कार्ड, फ्रॉड, ओटीपी फ्रॉड, जीमेल पासवर्ड, जीमेल हैकिंग, फर्जी वेबसाइट बनाना, एलआईसी एजेंट फ्रॉड, अपरिचित नंबर से वीडियो कॉल आना आदि अपराधों के विषय में बताया तथा सभी को मजबूत पासवर्ड, साइबर दोस्त ऐप व 1930 पर कॉल करके रिपोर्ट करने की सलाह दी।

बवानीखेड़ा में कार्यक्रम

धूम-धाम से मनाई गई हॉकी के जादूगर ध्यानचंद की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जन्म जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, जिसमें कक्षा छठी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता की। इस उपलक्ष्य में विद्यालय में कविता पाठ, खेल से जुड़ी प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता तथा भाषण के द्वारा उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया।

कक्षा बारहवीं की छात्रा भारती ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 29 अगस्त 1905 में पिता सोमेश्वर दत्त के घर इलाहाबाद में हुआ। खेल के प्रति बचपन से ही उनके मन में लग्न थी।

श्रीकृष्ण कथा का किया वर्णन

- युवाओं में धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार करना कार्यक्रम का उद्देश्य: चरणदास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा हनुमान जोहड़ी धाम मंदिर में महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आयोजित की जा रही हैं। कथा के दूसरे दिन शनिवार को श्रीकृष्ण जन्म कथा का मार्मिक वर्णन किया। कथावाचक महामंडलेश्वर साध्वी शक्तिपुरी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से पूर्व की घटनाओं, परिस्थितियों, देवकी-वासुदेव की व्यथा और कंस के अत्याचारों का वर्णन किया। मुख्य यजमान के रूप में मनोज दीवान ने व्यास पीठ की पूजा कर साध्वी का सम्मान किया। साध्वी शक्तिपुरी ने बताया कि कैसे कंस ने अपनी बहन देवकी और उनके पति वासुदेव को सिर्फ इसलिए जेल में डाल दिया था, क्योंकि एक आकाशवाणी ने उसे बताया था कि देवकी की आठवीं संतान उसकी मृत्यु का कारण बनेगी। कथा में देवकी और वासुदेव के दुख और पीड़ा का वर्णन किया। कैसे कंस ने उनके एक-एक करके छह संतानों को निर्दयतापूर्वक मार डाला और कैसे वे अपनी आठवीं संतान को लेकर चिंतित थे। महंत चरणदास महाराज ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार करना है।

- हनुमान जोहड़ी मंदिर में श्रीकृष्णा कथा दूसरे दिन भी जारी

भिवानी। कथावाचक महामंडलेश्वर साध्वी शक्तिपुरी महाराज।

भागवत सप्ताह

बालयोगी महंत चरणदास ने बताया कि सात दिवसीय भागवत सप्ताह कार्यक्रम के तहत श्रीकृष्ण कथा का समापन दो सितंबर को होगा। इस दौरान प्रतिदिन शाम 3 बजे से 6 बजे तक श्री कृष्ण कथा, भागवत, भजन और बधाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

ज़ी लिट्रा वैली विद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जी लिट्रा वैली वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थी परिषद के नवनियुक्त पदाधिकारियो का शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एस.डी.एम .महेश कुमार उपस्थित रहे, विद्यार्थी परिषद के सभी सदस्यों ने मार्च पास्ट के साथ उनका स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधन कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री घनश्याम सर्राफ ,उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण मित्तल, प्रबंधक श्री रामचंद्र मित्तल ,प्रशासन श्री एस. के . हलवासिया, ट्रस्टी अमन गर्ग, शैक्षणिक निर्देशिका दिव्या गर्ग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व कार्यकारिणी समिति के सदस्यों द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वल के साथ किया गया। छात्राओं द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति की गई एवं सरस्वती वंदना का स्वर वाचन किया गया। एसडीम व अन्य अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को शपथ ग्रहण करवाई गई। प्रमुख छात्र के पद पर रुहान,प्रमुख छात्रा के पद पर परी, क्रीडा प्रमुख छात्र कृष्णा, उप प्रमुख क्रीडा छात्रा ज्योति, सांस्कृतिक सचिव हर्ष, ऋतिक ने शपथ ग्रहण की।

- विद्यार्थी परिषद के सभी सदस्यों ने मार्च पास्ट के साथ स्वागत किया

भिवानी। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुती देते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

प्रयास को सहारा

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्य का निर्वहन साहस ,विश्वास और निष्ठा के साथ करने का संकल्प दिलाया। प्राचार्या सीमा मक्कड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर पूरे विद्यालय परिवार की ओर से उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि है पद केवल सम्मान ही नहीं बल्कि कर्तव्य ,सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है जिसे सभी विद्यार्थी समर्पण भाव से निभाएंगे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया कार्यक्रम का मंच संचालन सौम्या गर्ग व सुषमा ने किया । मंच सज्जा कला अध्यापक श्री योगेश बरनेला द्वारा की गई ।मार्च पास्ट का निरीक्षण अनिल शर्मा ने किया कार्यक्रम की पूर्ण सफलता में विद्यालय के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिता

भिवानी। हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में व्याख्यान कार्यक्रम एंव लड़के एंव लड़कियों की टीमों के मध्य पारंपरिक खेल प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम के शुभारंभ पर नवनियुक्त प्राचार्य डॉ. जगवीर सिंह मान ने विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचन्द के व्यक्तित्व से अवगत करवाया और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक डॉ. कपिल शर्मा ने हेल्थ एंड फिटनेस विषय पर व्याख्यान दिया।

- प्राचार्य ने विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

छात्रा कनिका व अध्यापिका नीतू को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला नंबर 3 भिवानी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। विद्यालय की पांचवी कक्षा की कनिका सुपुत्री विजय कुमार ने खंड स्तरीय व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की अध्यापिका नीतू जेबीटी ने हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के अंतर्गत राज्य स्तरीय रंगोत्सव प्रतियोगिता 2025 26 में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय के साथ-साथ जिले का नाम रोशन किया। मुख्यतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अनिल गौड़ ने दोनों प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मौके पर विद्यालय मुखिया सुखबीर सिंह, भारत यादव एबीआरसी, एसएमसी प्रधान मंजू देवी, शिक्षाविद नरेश आदि मौजूद रहे।

कनिका व अध्यापिका नीतू को सम्मानित करते बीईओ अनिल गौड़ व अन्य।

दूरस्थ शिक्षा का स्टैडी सेंटर प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

महिला महाविद्यालय झोझू कलां में इस सत्र से गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार से सम्बद्धता प्राप्त कर ऑनलाइन व दूरस्थ शिक्षा (डिसटेंस एजुकेशन) का स्टडी सेंटर प्रारंभ किया है। इस सत्र से बीए , बीकॉम , एम ए हिन्दी, विभिन्न डिप्लोमा कोर्स जैसे कि डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन, डाटा सांइस, बिजनीस एनालीटिक्स, सप्लाई चैन एनालीटिक्स, फाइनेंशल मार्केट, बैंकिंग एण्ड फाइनेंश, साइबर सिक्यूरिटी, आर्टीफिशियल इन्टेलीजेंस आदि में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सभी कोर्सेज की फीस को दो किस्तों में भरवाया जाएगा।

चरखी दादरी। स्टैडी सेंटर का शुभारंभ करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

घर बैठ छात्राओं को उच्च शिक्षा मिलेगी

निदेशक/प्राचार्या डॉ. मन्जू सांगवान ने इस अध्ययन केन्द्र के शुरू होने पर अपने वक्तव्य में बताया कि दूरस्थ शिक्षा घर बैठ छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।कोआर्डिनेटर पूनम ने कहा कि कई बार सामाजिक, आर्थिक या सांसकृतिक कारणों से लड़कियों का कॉलेज जाना कठिन हो जाता है।

विधायक ने नारियल फोड़कर कराया निर्माण कार्य शुरू

कई कॉलोनियों के लोगों को मिलेगा पक्की सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अब जागृति कॉलोनी व आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर। अब उनको नहर किनारे कच्चे रास्ते नहीं जाना पड़ेगा। उनके लिए नगरपरिषद जल्द ही सीसी की सड़क बनाने जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को विधायक घनश्याम सर्राफ , नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व पार्षद प्रतिनिधि महाबीर सिंह ने नारियल फोड़कर जागृति कॉलोनी रेलवे फाटक तक के रोड के निर्माण कार्य का शुभारंभ करवाया। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने यहां पर उपस्थित सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया। इस सड़क के निर्माण पर करीब 50 लाख रुपये की लागत आएगी।

भिवानी। नारियल फोड़कर सड़क का निर्माण कार्य शुभारंभ करवाते हुए।

नहर किनारे लगवाई जाएगी ग्रील व लाइटें

विधायक सर्राफ ने नारियल फोड़कर सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ करवाया। उस वक्त लोगों ने नहर के साथ रेलिंग व लाइटें लगवाए जाने की मांग की। अगर लाइट हो और रेलिंग आदि लगी हो तो इस मार्ग से आराम से आया व जाया जा सकता है। जल्द ही नहर किनारे रेलिंग व लाइटें आदि लगवाए जाने का कार्य भी करवाया जाएगा। इसका पहले एस्टीमेट तैयार करवाया जाएगा।

क्या कहते हैं विधायक: विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि सार्वजनिक कार्यो के लिए सरकारी खजाने लबालब है। बशर्ते सार्वजनिक कार्य लेकर आए। उनको तत्काल पूरा करवाया जाएगा। वैसे भी सीएम नायब सिंह सैनी का भिवानी के साथ जुड़ाव है। वे भिवानी के विकास के लिए दिल खोलकर राशि जारी कर रहे है। भिवानी के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

नहीं रहेगी कोई गली कच्ची, हर इलाके में बनेंगे सार्वजनिक शौचालय:भवानी

नगरपरिषद की चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि भिवानी शहर के किसी भी इलाके में कोई गली कच्ची नहीं रहेगी। जिस भी इलाके में कोइर कच्ची गली है तो वे उनको सूचना दे। वे खुद मौके पर जाकर गली को पक्का करवाए जाने का एस्टीमेट तैयार करवाएंगे और गली को पक्का करवाया जाएगा। इसी तरह उन्होंने बताया कि पहले शहर के अनेक इलाकों में सार्वजनिक शौचालय बने हुए है,लेकिन जिन इलाकों में अतिरिक्त सार्वजनिक शौचालयों की जरूरत है। वहां पर भी बनवाए जा रहे है। शहर का कोई क्षेत्र सार्वजनिक शौचालयों की सुविधा से महरूम नहीं रहने दिया जाएगा।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में खेल प्रतियोगिताएं

100 मीटर रेस में शीतल कुमारी प्रथम और भारती द्वितीय रही

तोशाम। एसडीएम रवि मीणा आईएएस के दिशा-निर्देश पर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में चौधरी सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रिंसीपल मोनिका के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल प्रतियोगिता की शुरुआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने वॉलीबॉल, दौड़ आदि खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने अपनी प्रतिभा और खेल भावना का परिचय दिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

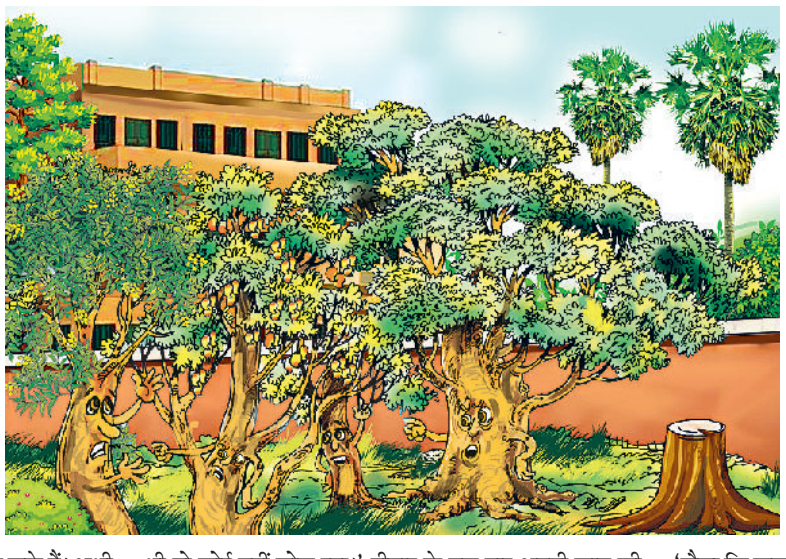

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्यः लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिकः आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूरः सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुखः 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *